DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

UG I, II, III, IV, V, VI Semester

HINDI

(Based on Choice Based Credit System)

SESSION : 2024-25

ESTD : 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

1Programme Outcome for BA Certificate/Diploma/Degree/Honors Course

FOUR YEARS UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)
PROGRAMME: BACHELOR IN ARTS AND HUMANITIES
DISCIPLINE HINDI Session 2024-25 According to NEP-2020

4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विद्यार्थी -

1. भाषा और साहित्य के व्यापक स्वरूप तथा उसके महत्व को समझने में सक्षम हो सकेंगे।
2. भारतीय ज्ञान परम्परा की निरतंरता, उसके महत्व एवं उस ज्ञान परम्परा से स्वंय एवं समाज
   को समृद्ध करने की दिशा में अग्रसर हो सकेंगे।
3. प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।
4. अपने विचार एवं भावों को मौखिक और लिखित रूप में अभिव्यक्त करने हेतु सक्षम हो सकेंगे।
5. मानविकी और समाज विज्ञान के विषयों के अंतर्संबंधों को समझ कर अपना दृष्टिकोण व्यापक कर सकेंगे।
8. साहित्य और लोकतत्व एवं लोकजीवन से जुड़कर अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकेंगे।
7. विद्यार्थियों में तकों एवं प्रमाणों द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में निर्णय लेने की क्षमता का विकास हो सकेगा।
8. लैंगिक संवेदनशीलता एवं सद्भाव का विकास हो सकेगा।
9. नवीन संदर्भों में शोधदृष्टि विकसित होगी।
10. आधुनिक तकनीक के साथ हिन्दी के रिश्ते को समझने की क्षमता का विकास होगा।
11. साहित्य के साथ मानव जीवन, विज्ञान तथा पर्यावरण को परिभाषित कर सकेंगे।
12. रोजगार के अवसरों की तलाश, सौंपी गई जिम्मेदारियों के निर्वहन एवं स्वयं का व्यवसाय शुरू करने संबंधी क्षमताओं की समझ का विकास हो सकेगा।

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, दुर्ग

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र 2024-2025

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत (CBCS) पाठ्यक्रम

(हिंदी)

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम सेमेस्टर

षष्ठम सेमेस्टर

DEPARTMENT OF HINDI, GOVT. V.Y.T. PG COLLEGE, DURG
STRUCTURE OF UG PROGRAMME (HINDI) 2024-25

Sem.	Core Course (DSC) 3 Courses 4 credits x 3 = 12 credits	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Value Added Course (VAC)	Total Credit
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल से रीतिकाल तक) 04	-	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल से रीतिकाल तक) 04	हिंदी भाषा -1 02	-	- 02	20
II	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) 04	-	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) 04	हिंदी भाषा -1 02	सम्प्रेषण-कला एवं सर्जनात्मक हिंदी 02	-	20
III	आधुनिक हिन्दी कविता (भारतेंदु से छायावाद) 04	लोक साहित्य (DSE) अथवा आधुनिक हिन्दी कविता :भारतेंदु से छायावाद (GEC) 04		रचना कौशल 02	कार्यालयीन भाषा अनुप्रयोग 02	- 02	22
IV	आधुनिक हिन्दी कविता: प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी के अंत तक) 04	छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य अथवा आधुनिक हिंदी कविता : प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी के अंत तक 04		अंग्रेज़ी भाषा 02	विज्ञापन और समाचार लेखन 02	योग विज्ञान 02	22
V	कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास) 04	भारतीय साहित्य 04	कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास) GEC 04	-	कार्यालयीन भाषा अनुप्रयोग internship / Project / Community Outreach 02	-	22
VI	कथेतर गद्य साहित्य 04	लोक नाट्य परंपरा और हिन्दी 04	कथेतर गद्य साहित्य 04	-	विज्ञापन और समाचार लेखन 02	-	22

स्नातक तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठम सेमेस्टर की सेमेस्टर अंत परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्देश

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की सेमेस्टर अंत परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन के लिए केंद्रीय अध्ययन मंडल द्वारा निर्धारित मूल्यांकन विधि लागू होगी। तदनुसार आंतरिक मूल्यांकन में 30 अंक तथा सेमेस्टर अंत 70 अंक होंगे। अन्य समस्त स्नातक सेमेस्टर की सेमेस्टर अंत परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन निम्नानुसार संपादित किये जाएँगे –

DSC/GE के लिए:

1. प्रथम आंतरिक परीक्षा (किसी एक इकाई से) 20 अंकों की होगी।
2. असाइनमेंट मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) 80 अंकों का होगा। प्रश्न पत्र सभी इकाइयों (Units) से तैयार कर, नवीन परीक्षा पद्धति A, B, C, D पैटर्न के अनुसार लिया जाएगा एवं वेटेज अंक (1/4×80) 20 अंकों में दिए जाएंगे।
3. द्वितीय आंतरिक परीक्षा 20 अंकों की होगी।

AEC (अंग्रेजी भाषा / हिन्दी भाषा) के लिए :

4. प्रथम आंतरिक परीक्षा (किसी एक इकाई से) 10 अंकों की होगी।
5. असाइनमेंट मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) 40 अंकों का होगा। प्रश्न पत्र सभी इकाइयों (Unit) से तैयार कर, नवीन परीक्षा पद्धति A, B, C, D पैटर्न के अनुसार लिया जाएगा एवं वेटेज अंक (1/4×40) 10 अंकों में दिए जाएंगे।
6. द्वितीय आंतरिक परीक्षा 20 अंकों की होगी।

नोट :

7. DSC, DSE, GEC एवं AEC (अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा) के सेमेस्टर अंत परीक्षा एवं आंतरिक परीक्षा के प्रश्नपत्र A, B, C एवं D खंडो का होगा।

A अति लघू उत्तरीय 01 प्रश्न अनिवार्य

B अति लघू उत्तरीय 01 प्रश्न अनिवार्य

C लघूत्तरीय 01 प्रश्न अनिवार्य (आंतरिक विकल्प के साथ)

D दीर्घ उत्तरीय 01 प्रश्न अनिवार्य (आंतरिक विकल्प के साथ)

8. सेमेस्टर अंत परीक्षा एवं सत्रीय कार्य के प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रति इकाई अंकों का वितरण निम्नानुसार होगा :

प्रश्नों का प्रकार	DSC / GEC / DES	AEC (हिंदी)
Types of Questions	4 units	4.units
अति लघु उत्तरीय Very short Ans. Type	02 x 02 =04	01 x 02 = 02
लघु उत्तरीय Short Ans. Type	04 x 1 = 06 (विवरणात्मक प्रश्न होने पर)	03 X 01 = 03
	06 x 1 = 06 (व्याख्यात्मक प्रश्न होने पर)	
दीर्घ उत्तरीय Long Ans. Type	10 x 1 = 10 (विवरणात्मक प्रश्न होने पर)	5 X 01 = 05
प्रति इकाई अंक Marks per unit	20 Marks	10 Marks
अधिकतम अंक Maximum marks	20 x 04 = 80	10 x 04 = 40

SEC/VAC के लिए :

9. SEC एवं VAC में आंतरिक परीक्षा नहीं होगी। सिर्फ 25 अंकों का Project होगा। सेमेस्टर अंत परीक्षा में 10 प्रश्न दिये जाएँगे। उनमें से कोई पाँच प्रश्न हल करने होंगे। सेमेस्टर अंत प्रश्नपत्र 25 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा।
10. आंतरिक परीक्षा एवं सत्रीय कार्य में से जिसमें अंक अधिक होंगे, वे अंक वे अंक परीक्षा में जुड़ेंगे।
11. सत्रीय एवं आंतरिक परीक्षा 15 दिसंबर तक सम्पन्न होंगी।

21/8/24

अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

क्र.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1	डॉ. कोमल सिंह शार्वा	2.8.24	6	डॉ. अभिनेष सुराना	
2	डॉ. उमाकांत मिश्र		7	डॉ. बलजीत कौर	
3	डॉ. शंकरमुनि राय		8	डॉ. जयप्रकाश साव	
4	डॉ. दादू दयाल जोशी		9	डॉ. कृष्णा चटर्जी	
5	प्रो. जैनेन्द्र दीवान		10	श्री दीपक सोनी	

हिंदी प्रथम सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GE)

क्षमता संवद्र्धन पाठ्यक्रम (AEC)

हिंदी प्रथम सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GE)

क्षमता संवद्र्धन पाठ्यक्रम (AEC)

शास. वि. या. ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम (2024-25) प्रथम सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम (DSC), हिंदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

पाठ्यक्रम कोड : HNSC-01

क्रेडिट: 04

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

1. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत कराना।
2. हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक और विकासात्मक स्वरुप से परिचय कराना।
3. हिन्दी समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के समानान्तर हिन्दी साहित्य के विकासक्रम की समझ विकसित करना।
4. हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।

भाग-1			
पाठ्यक्रम :		कक्षा : बी. ए. प्रथम सेमेस्टर	सत्र : 2024-2025
1	पाठ्यक्रम कोड	HNSC-01	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	DSC	
4	पूर्वापेक्षा	आवश्यकतानुसार	
5	पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम	इस पाठ्क्रम का अधीन पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी : 1. विद्यार्थी साहित्येतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण संबंधी ज्ञान से अवगत हो सकेंगे। 2. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर साहित्य और समाज के अंतर्संबंधों को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे। 3. युगीन सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में व्यापक दृष्टिकोण की समझ का विकास हो सकेगा। 4. आदिकाल से रीतिकाल तक के सम्पूर्ण रचनाकारों की रचनाओं और उसके विविध विषयों पर विश्लेषणात्मक विचारशीलता का विकास हो सकेगा। 5. हिन्दी गद्य के आविर्भाव के प्रधान कारणों एवं परिस्थितियों को समझ सकेंगे।	
6	क्रेडिट मूल्य	4 क्रेडिट	01 क्रेडिट =15 घंटे – अधिगम एवं अवलोकन (Learning and Observation)
7	कुल अंक	अधिकतम अंक :100	उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक : 40

भाग-2 : पाठ्यक्रम विवरण		
कुल शैक्षणिक कालखंड = 60 कालखंड (60 घंटे)		
इकाई	पाठ्यवस्तु Topics (पाठ्यक्रम की विषयवस्तु)	कुल कालखंड
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास व काल विभाजन - अ. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, समस्या ब. हिन्दी साहित्य के इतिहास का कालविभाजन व नामकरण	15
II	आदिकाल - अ. आदिकाल: सामान्य परिचय प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य ब. रासो काव्य, लौकिक साहित्य, जैन साहित्य	15
III	भक्तिकाल अ. भक्तिकाल सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि। निर्गुण भक्तिधारा (प्रेममार्गी, ज्ञानमार्गी) ब. सगुण भक्तिधारा (रामकाव्य, कृष्णकाव्य)	15
IV	रीतिकाल - अ. रीतिकाल सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि ब. रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा	15

भाग-3 - शैक्षणिक संसाधन (संदर्भ पुस्तकें)		
पाठ्य पुस्तक, सन्दर्भ ग्रन्थ एवं अन्य संसाधन		
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास डॉ. नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियां डॉ. शिवकुमार शर्मा 6. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास डॉ. सरयूकांत शास्त्री 7. हिन्दी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्विवेदी 8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास राम कुमार वर्मा, लोक भारती प्रकाशन प्रयागराज 9. हिन्दी भाषा साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन डॉ. आर. के. पाण्डेय, शताक्षी प्रकाशन रायपुर		
भाग-4 : मूल्यांकन		
सतत मूल्यांकन पद्धति : अधिकतम अंक : 100 Marks सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment, CIA) : 30 Marks सत्रांत परीक्षा (End Semester Exam, ESE) : 70 Marks		
आतंरिक मूल्यांकन : सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment, CIA), पाठ्यक्रम शिक्षक द्वारा	आंतरिक जाँच परीक्षा/क्विज़-(2) 20 & 20 अंक, सत्रीय कार्य/सेमिनार - 10, कुल अंक - 30 Internal test/Quiz-(2) 20 & 20 marks, Assignment/Seminar - 10, Total marks - 30	दो जाँच परीक्षा/क्विज़ में से जिसमें भी अधिक अंक प्राप्त होंगे, उन्हें आंतरिक मूल्यांकन के 30 अंकों के अंतर्गत लिया जाएगा। Better marks out of the two Tests / Quiz Obtained marks in assignment shall be considered against 30 marks
सत्रांत परीक्षा End Semester Exam (ESE)	कुल 2 खण्ड : क एवं ख खण्ड क : प्रश्न 1 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) 10 X 1=10 अंक खण्ड क : प्रश्न 2 (लघु उत्तरीय प्रश्न) 5 X 4 = 20 अंक खण्ड ख : दीर्घ उत्तरीय विवरणात्मक प्रश्न (प्रत्येक इकाई के दो प्रश्नों में से एक हल करना होगा) इकाई - 4 x 10 = 40 अंक / कुल अंक =70 Two Section - A&B Section A: QI Objective - 10 X 1=10 Marks Section A: Q2 Short Answer Type - 5 X 4 = 20 Marks Section B: Descriptive Answer Type Qts. 1 out of 2 From Each Unit 4 X 10 = 40 marks Total =70 अंक	

21/9/24

शास. वि. या. ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम (2024-25)

प्रथम सेमेस्टर

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Generic Elective Course - GE), हिंदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

पाठ्यक्रम कोड: HNGE -01

क्रेडिट: 04

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

1. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत कराना।
2. हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक और विकासात्मक स्वरुप से परिचय कराना।
3. हिन्दी समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के समानान्तर हिन्दी साहित्य के विकासक्रम की समझ विकसित करना।
4. हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।

भाग-1				
कार्यक्रम :		कक्षा : बी. ए. प्रथम सेमेस्टर		सत्र : 2024-2025
1	पाठ्यक्रम कोड	HNGE-01		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स (GE)		
4	पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम	इस पाठ्क्रम का अधीन पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी : 1. विद्यार्थी साहित्येतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण संबंधी ज्ञान से अवगत हो सकेंगे। 2. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर साहित्य और समाज के अन्तसंबंधो को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे। 3. युगीन सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में व्यापक दृष्टिकोण की समझ का विकास हो सकेगा। 4. आदिकाल से रीतिकाल तक के सम्पूर्ण रचनाकारों की रचनाओं और उसके विविध विषयों पर विश्लेषणात्मक विचारशीलता का विकास हो सकेगा। 5. हिन्दी गद्य के आविर्भाव के प्रधान कारणों एवं परिस्थितियों को समझ सकेंगे।		
5	क्रेडिट मूल्य	4 क्रेडिट	1 क्रेडिट =15 घंटे – अधिगम एवं अवलोकन (Learning and Observation)	
6	कुल अंक	अधिकतम अंक :100		उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक : 40

भाग-2 : पाठ्यक्रम विवरण		
कुल शैक्षणिक कालखंड = 60 कालखंड (60 घंटे)		
इकाई	पाठ्यवस्तु Topics (पाठ्यक्रम की विषयवस्तु)	कुल कालखंड
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास व काल विभाजन - अ. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, समस्या २. हिन्दी साहित्य के इतिहास का कालविभाजन व नामकरण	15
II	आदिकाल - अ. आदिकाल: सामान्य परिचय प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य ब. रासो काव्य, लौकिक साहित्य, जैन साहित्य	15
III	भक्तिकाल अ. भक्तिकाल सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि। निर्गुण भक्तिधारा (प्रेममार्गी, ज्ञानमार्गी) ब. सगुण भक्तिधारा (रामकाव्य, कृष्णजी)	15
IV	रीतिकाल - अ. रीतिकाल सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि २. रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा	15

भाग-3 - शैक्षणिक संसाधन (संदर्भ पुस्तकें)		
पाठ्य पुस्तक, सन्दर्भ ग्रन्थ एवं अन्य संसाधन		
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास डॉ. नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल आचार्य 4. हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. हिन्दी साहित्य उदभव और विकास आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियां : डॉ. शिवकुमार शर्मा 6. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ. सरयूकांत शास्त्री 7. हिन्दी साहित्य की भूमिका हजारी प्रसाद द्विवेदी 8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास राम कुमार वर्मा, लोक भारती प्रकाशन प्रयागराज 9. हिन्दी भाषा साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन : डॉ. आर. के. पाण्डेय, शताक्षी प्रकाशन रायपुर		
भाग-4 : मूल्यांकन		
सतत मूल्यांकन पद्धति : अधिकतम अंक : 100 Marks सतत विशद मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evaluation, CCE) : 20 Marks सत्रांत परीक्षा (Semester End Exam, SEE) : 80 Marks		
आतंरिक मूल्यांकन : सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment, CIA), पाठ्यक्रम शिक्षक द्वारा	आंतरिक जाँच परीक्षा/क्विज़-(2) 20 & 20 अंक, सत्रीय कार्य/सेमिनार - 10, कुल अंक - 30 Internal test/Quiz-(2) 20 & 20 marks, Assignment/Seminar - 10, Total marks - 30	दो जाँच परीक्षा/क्विज़ में से जिसमें भी अधिक अंक प्राप्त होंगे, उन्हें आंतरिक मूल्यांकन के 30 अंकों के अंतर्गत लिया जाएगा। Better marks out of the two Tests / Quiz Obtained marks in assignment shall be considered against 30 marks
सत्रांत परीक्षा End Semester Exam (ESE)	कुल 2 खण्ड : क एवं ख खण्ड क : प्रश्न 1 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) 10 X 1=10 अंक खण्ड क : प्रश्न 2 (लघु उत्तरीय प्रश्न) 5 X 4 = 20 अंक खण्ड ख : दीर्घ उत्तरीय विवरणात्मक प्रश्न (प्रत्येक इकाई के दो प्रश्नों में से एक हल करना होगा) इकाई - 4 x 10 = 40 अंक / कुल अंक =70 Two Section - A&B Section A: QI Objective - 10 X 1=10 Marks Section A: Q2 Short Answer Type - 5 X 4 = 20 Marks Section B: Descriptive Answer Type Qts. I out of 2 From Each Unit 4 X 10 = 40 marks Total =70 अंक	

शास. वि. या. ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम (2024-25)

प्रथम सेमेस्टर

क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स - AEC), हिंदी

हिंदी भाषा-I

पाठ्यक्रम कोड: AEC -03

क्रेडिट: 02

पूर्णांक : 40

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

1. विद्यार्थियों में भाषा के व्यावहारिक पहलुओं की सामान्य समझ विकसित करना।
2. अर्जित भाषा ज्ञान को अपने निजी भाषा व्यवहार में समुचित रूप से लागू करने की क्षमता विकसित करना।
3. हिन्दी की कुछ उत्कृष्ट रचनाओं से परिचय कराना।
4. साहित्यिक रचनाओं की अंतर्वस्तु के विश्लेषण की पद्धति से परिचय कराना।
5. विद्यार्थियों में रचना के मूल्यांकन की समझ उत्पन्न करना।
6. साहित्यिक पाठ के सूक्ष्म अध्ययन के द्वारा सृजनात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास करना।

भाग-1				
कार्यक्रम :		कक्षा : बी. ए. प्रथम सेमेस्टर		सत्र : 2024-2025
1	पाठ्यक्रम कोड	AEC- 03		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी भाषा-1		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्षमता संवर्द्धन पाठ्यक्रम (Ability Enhancement Course)		
4	पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम	इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी 1. विद्यार्थी हिन्दी भाषा एवं व्याकरण संबंधी ज्ञान से समृद्ध होंगे। 2. भाषा ज्ञान के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं भावनात्मक एकता के महत्व को समझने की क्षमता विकसित हो सकेगी। 3. मुहावरे एवं लोकोक्तियों का महत्व समझ सकेंगे। 4. व्यंग्य, निबंध एवं कविता विधा से परिचित होंगे। 5. निबंध लेखन एवं अपठित गद्यांश के माध्यम से विद्यार्थियो का बौद्धिक विकास हो सकेगा।		
5	क्रेडिट मूल्य (Credit Value)	2 क्रेडिट	1 क्रेडिट = 15 घंटे - अधिगम एवं अवलोकन (Learning and Observation)	
6	कुल अंक	अधिकतम अंक : 50		उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक : 20

भाग-2 : पाठ्यक्रम विवरण		
कुल शैक्षणिक कालखंड = 30 कालखंड (30 घंटे)		
इकाई	पाठ्यवस्तु Topics (पाठ्यक्रम की विषयवस्तु)	कुल कालखंड
I	**रचनाएँ** भारत वंदना - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (कविता) भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई (व्यंग्य) चोरी और प्रायश्चित - महात्मा गांधी (निबंध)	8
II	**हिन्दी व्याकरण एवं शब्द रचना** प्रत्यय, संधि, समास उपसर्ग, पर्यायवाची शब्द, विलोग शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	7
III	**हिन्दी व्याकरण एवं रचना पक्ष** मुहावरे एवं लोकोक्तियां पारिभाषिक शब्दावली एवं हिन्दी में पदनाम, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि	8
IV	रचनात्मक लेख निबंध लेखन अपठित गद्यांश (नोट विद्यार्थी को किसी एक विषय पर निबंध व प्रदत्त गद्यांश का शीर्षक तथा सारांश लिखना होगा)	7

भाग-3 - शैक्षणिक संसाधन (संदर्भ पुस्तकें)	
पाठ्य पुस्तक, सन्दर्भ ग्रन्थ एवं अन्य संसाधन	
1 भारतीयता के अमर स्वर : धनंजय वर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी 2. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ.वासुदेव नंदन 3. हिन्दी भाषा और व्यवहार : डॉ. गंगाचरण त्रिपाठी 4. हिंदी व्याकरण माला : डॉ. के.आर. गहिया, डॉ. विमलेश शर्मा 8. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु	
Online Resources 1. www.bookspace.in 2. https://libgmm.com 3. https://www.gkexams.com	
भाग-4 : मूल्यांकन	
सतत मूल्यांकन पद्धति : अधिकतम अंक : 50 Marks सतत विशद मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evaluation, CCE) : 15 Marks सत्रांत परीक्षा (Semester End Exam, SEE) : 35 Marks	
सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous internal Assessment , CIA) पाठ्यक्रम शिक्षक द्वारा	आंतरिक जाँच परीक्षा / क्विज़ (2): 10 और 10 अंक सत्रीय कार्य/सेमिनार+उपस्थिति -5 अंक = कुल 15 अंक (Assignment/Seminar+Attendance - 05 Marks) total 15 marks
	दो जाँच परीक्षा/क्विज़ में से जिसमें भी अधिक अंक प्राप्त होंगे, उन्हें आंतरिक मूल्यांकन के 15 अंकों के अंतर्गत लिया जाएगा। Better marks out of the two Text / Quiz Obtained marks in assignment shall be considered against 15 marks
सत्रांत परीक्षा End Semester Exam (ESE)	कुल 2 खण्ड : क एवं ख खण्ड क : प्रश्न 1 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) 05X1=05 अंक खण्ड क : प्रश्न 2 (लघु उत्तरीय प्रश्न) 5X2=10 अंक खण्ड ख : दीर्घ उत्तरीय विवरणात्मक प्रश्न (प्रत्येक इकाई के दो प्रश्नों में से एक हल करना होगा) 4X5-20 Marks Total =35 Marks Two Section - A&B Section A: QI Objective - 05X1=05 Marks Section A: Q2 Short Answer Type - 5X2-10 Marks Section B: Descriptive Answer Type Qts. I out of 2 From Each Unit 4X5-=20 अंक कुल =35 अंक

हिंदी द्वितीय सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GE)

क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC)

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)

हिंदी द्वितीय सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GE)

क्षमता संवर्द्धन पाठ्यक्रम (AEC)

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम (SEC)

शास. वि. या. ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम (2024-25)

द्वितीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम (DSC), हिंदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम कोड: HNSC-02

क्रेडिट: 04
पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

1. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत कराना।
2. हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक और विकासात्मक स्वरुप से परिचय कराना।
3. हिन्दी समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के समानान्तर हिन्दी साहित्य के विकासक्रम की समझ विकसित करना।
4. हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।

भाग-1				
कार्यक्रम :		कक्षा : बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर		सत्र : 2024-2025
1	पाठ्यक्रम कोड	HNSC-02		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	मूल पाठ्यक्रम / कोर कोर्स (DSC)		
4	पूर्व आवश्यकता	आवश्यकतानुसार		
4	पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम	इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी : 1. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर विद्यार्थी पुनर्जागरण काल एवं जागरण सुधार काल के प्रमुख रचानाकारों की उपादेयता को गहनता से समझ सकेंगे। 2. हिन्दी पद्य के साथ गद्य के क्रमबद्ध विकास को समझ सकेंगे। 3. छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य के माध्यम से तद्कालीन स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठ भूमि से विद्यार्थी अवगत होंगे। 4. स्वातंत्र्योत्तर पद्य और गद्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी बदलते हुए सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को समझने में सक्षम हो सकेंगे। 5. भूमण्डलीकरण के दौर में युगीन हिन्दी साहित्य को विश्व साहित्य के समानान्तर रख कर मूल्यांकनपरक दृष्टि एवं समझ का विकास हो सकेगा।		
5	क्रेडिट मूल्य	4 क्रेडिट	1 क्रेडिट =15 घंटे – अधिगम एवं अवलोकन (Learning and Observation)	
6	कुल अंक	अधिकतम अंक :100		उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक : 40

भाग-2 : पाठ्यक्रम विवरण		
कुल शैक्षणिक कालखंड = 60 कालखंड (60 घंटे)		
इकाई	पाठ्यवस्तु Topics (पाठ्यक्रम की विषयवस्तु)	कुल कालखंड
I	आधुनिक काल और भारतीय नवजागरण अ. आधुनिक काल की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिन्दी नवजागरण ब. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएं	15
II	द्विवेदी युग व छायावाद अ. द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं ब. छायावाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं	15
III	छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियों) अ. प्रगतिवाद व प्रयोगवाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं ब. नई कविता व समकालीन कविता के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं	15
IV	हिन्दी गद्य का विकास अ. कहानी एवं उपन्यास का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख कथाकार, उपन्यासकार ब. निबंध एवं नाटक का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख निबंधकार तथा नाटककार	15

अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

भाग-3 - शैक्षणिक संसाधन (संदर्भ पुस्तकें)
पाठ्य पुस्तक, सन्दर्भ ग्रन्थ एवं अन्य संसाधन
1. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. भारतेन्दु हरिशचंद्र और हिन्दी नवजागरण डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. छायावाद की प्रासंगिकता रमेशचन्द्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन बिकानेर 4. नवजागरण की समस्याएं डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. भारतेन्दु की रंग परिकल्पना सत्येन्द्र तनेजा 6. छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि और उनकी कविताएं : विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 7. हिन्दी गद्य का विकास भारतेन्दु हरिशचंद्र 8. आधुनिक हिन्दी गय का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 9. भारतेन्दु युग : डॉ. सत्यपाल शर्मा 10. हिन्दी नाटक : उदभव और विकास : दशरथ ओझा, राजपाल प्रकाशन 11. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
ऑनलाइन स्रोत : e-adhyayan https://epustakalay.com.book Info@hindibook.com
भाग-4 : मूल्यांकन Assessment And Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods: Maximum Marks: 100 Marks Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks End Semester Exam (ESE): 70 Marks	सतत मूल्यांकन पद्धति : अधिकतम अंक : 100 Marks सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 Marks सत्रांत परीक्षा (End Semester Exam, ESE) : 70 Marks	
Continuous Internal Assessment सतत आंतरिक मूल्यांकन	Internal test / Quiz-(2) 20 & 20 Marks + Assignment/Seminar 10 आंतरिक जाँच परीक्षा /क्विज़ (2) 20 & 20 अंक + सत्रीय कार्य/ सेमीनार 10	Better marks out of the two दोनों में से अधिकतम अंक
End Semester Exam (ESE) सेमेस्टर अंत परीक्षा	कुल 2 खण्ड : क एवं ख खण्ड क : प्रश्न 1 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) 10 X 1=10 अंक खण्ड क : प्रश्न 2 (लघु उत्तरीय प्रश्न) 5 X 4 = 20 अंक खण्ड ख : दीर्घ उत्तरीय विवरणात्मक प्रश्न (प्रत्येक इकाई के दो प्रश्नों में से एक हल करना होगा) इकाई - 4 x 10 = 40 अंक / कुल अंक =70	

शास. वि. या. ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम (2024-25)

द्वितीय सेमेस्टर

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Generic Elective Course - GE), हिंदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम कोड: HNGE- 02

क्रेडिट: 04

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

1. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत कराना।
2. हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक और विकासात्मक स्वरुप से परिचय कराना।
3. हिन्दी समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के समानान्तर हिन्दी साहित्य के विकासक्रम की समझ विकसित करना।
4. हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।

भाग-1				
कार्यक्रम :		कक्षा : बी. ए. प्रथम सेमेस्टर		सत्र : 2024-2025
1	पाठ्यक्रम कोड	HNGE-02		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स (GE)		
4	पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम	इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी : 1. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर विद्यार्थी पुनर्जागरण काल एवं जागरण सुधार काल के प्रमुख रचानाकारों की उपादेयता को गहनता से समझ सकेंगे। 2. हिन्दी पद्य के साथ गद्य के क्रमबद्ध विकास को समझ सकेंगे। 3. छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य के माध्यम से तात्कालीन स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठ भूमि से विद्यार्थी अवगत होंगे। 4. स्वातंत्र्योत्तर पद्य और गद्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी बदलते हुए सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को समझने में सक्षम हो सकेंगे। 5. भूमण्डलीकरण के दौर में युगीन हिन्दी साहित्य को विश्व साहित्य के समानान्तर रख कर मूल्यांकनपरक दृष्टि एवं समझ का विकास हो सकेगा।		
5	क्रेडिट मूल्य	4 क्रेडिट	1 क्रेडिट =15 घंटे – अधिगम एवं अवलोकन (Learning and Observation)	
6	कुल अंक	अधिकतम अंक :100		उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक : 40

भाग-2 : पाठ्यक्रम विवरण		
कुल शैक्षणिक कालखंड = 60 कालखंड (60 घंटे)		
इकाई	पाठ्यवस्तु Topics (पाठ्यक्रम की विषयवस्तु)	कुल कालखंड
I	**आधुनिक काल और भारतीय नवजागरण -भारतेंदु युग** अ. आधुनिक काल की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिन्दी नवजागरण ब. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएं	15
II	**द्विवेदी युग व छायावाद** अ. द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं ब. छायावाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं	15
III	**छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियों)** अ. प्रगतिवाद व प्रयोगवाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं ब. नई कविता व समकालीन कविता के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं	15
IV	**हिन्दी गद्य का विकास** अ. कहानी एवं उपन्यास का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख कथाकार, उपन्यासकार ब. निबंध एवं नाटक का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख निबंधकार तथा नाटककार	15

भाग-3 - शैक्षणिक संसाधन (संदर्भ पुस्तकें)		
पाठ्य पुस्तक, सन्दर्भ ग्रन्थ एवं अन्य संसाधन		
1. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. भारतेन्दु हरिशचंद्र और हिन्दी नवजागरण - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. छायावाद की प्रासंगिकता - रमेशचन्द्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन बिकानेर 4. नवजागरण की समस्याएं - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. भारतेन्दु की रंग परिकल्पना - सत्येन्द्र तनेजा 6. छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि और उनकी कविताएं - विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 7. हिन्दी गद्य का विकास - मोहनलाल जिज्ञासु 8. हिन्दी गद्य का इतिहास : रामचन्द तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 9. भारतेन्दु युग : डॉ. सत्यपाल शर्मा 10. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास : दशरथ ओझा, राजपाल प्रकाशन 11. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली		
ऑनलाइन स्रोत : e-adhyayan https://epustakalay.com.book Info@hindibook.com		
भाग-4 : मूल्यांकन		
सतत मूल्यांकन पद्धति : अधिकतम अंक : 100 Marks सतत विशद मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evaluation, CCE) : 30 Marks सत्रांत परीक्षा (Semester End Exam, SEE) : 70 Marks		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment, CIA), पाठ्यक्रम शिक्षक द्वारा	Internal test/Quiz-(2) 20 & 20 marks, Assignment/Seminar - 10, Total marks - 30 आंतरिक जाँच परीक्षा/क्विज़-(2) 20 & 20 अंक, सत्रीय कार्य/सेमिनार - 10, कुल अंक - 30	दो जाँच परीक्षा/क्विज़ में से जिसमें भी अधिक अंक प्राप्त होंगे, उन्हें आंतरिक मूल्यांकन के 30 अंकों के अंतर्गत लिया जाएगा। Better marks out of the two Tests / Quiz Obtained marks in assignment shall be considered against 30 marks

सत्रांत परीक्षा End Semester Exam (ESE)	कुल 2 खण्ड : क एवं ख खण्ड क : प्रश्न 1 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) 10 X 1=10 अंक खण्ड क : प्रश्न 2 (लघु उत्तरीय प्रश्न) 5 X 4 = 20 अंक खण्ड ख : दीर्घ उत्तरीय विवरणात्मक प्रश्न (प्रत्येक इकाई के दो प्रश्नों में से एक हल करना होगा) इकाई - 4 x 10 = 40 अंक / कुल अंक =70 Two Section - A&B Section A: QI Objective - 10 X 1=10 Marks Section A: Q2 Short Answer Type - 5 X 4 = 20 Marks Section B: Descriptive Answer Type Qts. I out of 2 From Each Unit 4 X 10 = 40 marks Total =70 अंक

अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

शास. वि. या. ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम (2024-25)

द्वितीय सेमेस्टर

क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स - AEC), हिंदी

हिंदी भाषा-I

पाठ्यक्रम कोड: AEC -03

क्रेडिट: 02

पूर्णांक : 40

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

1. विद्यार्थियों में भाषा के व्यावहारिक पहलुओं की सामान्य समझ विकसित करना।
2. अर्जित भाषा ज्ञान को अपने निजी भाषा व्यवहार में समुचित रूप से लागू करने की क्षमता विकसित करना।
3. हिन्दी की कुछ उत्कृष्ट रचनाओं से परिचय कराना।
4. साहित्यिक रचनाओं की अंतर्वस्तु के विश्लेषण की पद्धति से परिचय कराना।
5. विद्यार्थियों में रचना के मूल्यांकन की समझ उत्पन्न करना।
6. साहित्यिक पाठ के सूक्ष्म अध्ययन के द्वारा सृजनात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास करना।

भाग-1				
कार्यक्रम :		कक्षा : द्वितीय सेमेस्टर		सत्र : 2024-2025
1	पाठ्यक्रम कोड	AEC- 03		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी भाषा-1		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्षमता संवर्द्धन पाठ्यक्रम (Ability Enhancement Course)		
4	पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम	इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी 1. विद्यार्थी हिन्दी भाषा एवं व्याकरण संबंधी ज्ञान से समृद्ध होंगे। 2. भाषा ज्ञान के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं भावनात्मक एकता के महत्व को समझने की क्षमता विकसित हो सकेगी। 3. मुहावरे एवं लोकोक्तियों का महत्व समझ सकेंगे। 4. व्यंग्य, निबंध एवं कविता विधा से परिचित होंगे। 5. निबंध लेखन एवं अपठित गद्यांश के माध्यम से विद्यार्थियो का बौद्धिक विकास हो सकेगा।		
5	क्रेडिट मूल्य (Credit Value)	2 क्रेडिट	1 क्रेडिट = 15 घंटे - अधिगम एवं अवलोकन (Learning and Observation)	
6	कुल अंक	अधिकतम अंक : 50		उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक : 20

भाग-2 : पाठ्यक्रम विवरण		
कुल शैक्षणिक कालखंड = 30 कालखंड (30 घंटे)		
इकाई	पाठ्यवस्तु Topics (पाठ्यक्रम की विषयवस्तु)	
I	**रचनाएँ** भारत वंदना - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (कविता) भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई (व्यंग्य) चोरी और प्रायश्चित - महात्मा गांधी (निबंध)	15
II	**हिन्दी व्याकरण एवं शब्द रचना** प्रत्यय, संधि, समास उपसर्ग, पर्यायवाची शब्द, विलोग शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	15
III	**हिन्दी व्याकरण एवं रचना पक्ष** मुहावरे एवं लोकोक्तियां पारिभाषिक शब्दावली एवं हिन्दी में पदनाम, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि	15
IV	रचनात्मक लेख निबंध लेखन अपठित गद्यांश (नोट विद्यार्थी को किसी एक विषय पर निबंध व प्रदत्त गद्यांश का शीर्षक तथा सारांश लिखना होगा)	15

भाग-3 - शैक्षणिक संसाधन (संदर्भ पुस्तकें)	
पाठ्य पुस्तक, सन्दर्भ ग्रन्थ एवं अन्य संसाधन	
1 भारतीयता के अमर स्वर : धनंजय वर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी 2. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : बासुदेव नंदन 3. हिन्दी भाषा और व्यवहार : डॉ. गंगाचरण त्रिपाठी 4. हिदी व्याकरण माला : डॉ. के.आर. गहिया, डॉ. विमलेश शर्मा 8. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु	
Online Resources 4. www.bookspace.in 5. https://libgmm.com 6. https://www.gkexams.com	
भाग-4 : मूल्यांकन	
सतत मूल्यांकन पद्धति : अधिकतम अंक : 50 Marks सतत विशद मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evaluation, CCE) : 15 Marks सत्रांत परीक्षा (Semester End Exam, SEE) : 35 Marks	

सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous internal Assessment , CIA) पाठ्यक्रम शिक्षक द्वारा	आतंरिक जाँच परीक्षा / क्विज़ (2): 10 और 10 अंक सत्रीय कार्य/सेमिनार+उपस्थिति -5 अंक = कुल 15 अंक (Assignment/Seminar+Attendance - 05 Marks) total 15 marks	दो जाँच परीक्षा/क्विज़ में से जिसमें भी अधिक अंक प्राप्त होंगे, उन्हें आंतरिक मूल्यांकन के 15 अंकों के अंतर्गत लिया जाएगा। Better marks out of the two Text / Quiz Obtained marks in assignment shall be considered against 15 marks

सत्रांत परीक्षा End Semester Exam (ESE)	कुल 2 खण्ड : क एवं ख खण्ड क : प्रश्न 1 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) 05X1=05 अंक खण्ड क : प्रश्न 2 (लघु उत्तरीय प्रश्न) 5X2=10 अंक खण्ड ख : दीर्घ उत्तरीय विवरणात्मक प्रश्न (प्रत्येक इकाई के दो प्रश्नों में से एक हल करना होगा) 4X5-20 Marks Total =35 Marks Two Section - A&B Section A: QI Objective - 05X1=05 Marks Section A: Q2 Short Answer Type - 5X2-10 Marks Section B: Descriptive Answer Type Qts. I out of 2 From Each Unit 4X5-=20 अंक कुल =35 अंक

21/8/24

शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

हिंदी विभाग

द्वितीय सेमेस्टर

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स - SEC), हिंदी

सम्प्रेषण कला एवं सर्जनात्मक हिंदी

पाठ्यक्रम कोड: HNSEC-01

PART A: INTRODUCTION			
पाठ्यक्रम : बी.ए. / बी.ए. ऑनर्स		द्वितीय सेमेस्टर	सत्र :2024-2025
1	पाठ्यक्रम कोड	HNSEC-01	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सम्प्रेषण कला एवं सर्जनात्मक हिंदी	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	SEC	
4	पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम	इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी 1. विद्यार्थयों में संप्रेषण कौशल का विकास होगा। 2. विद्यार्थियों में सर्जनात्मक क्षमता विकसित हो सकेगी। 3. विद्यार्थी मौलिक लेखन हेतु प्रेरित होंगे। 4. संचार माध्यमों के महत्व को समझ सकेंगे। 5. प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रानिक मीडिया के विविध पक्षों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	
5	क्रेडिट मूल्य	02 Credits 1C+1C	1 credit =15 Hours – Learning and Observation
6	कुल अंक	Maximum Marks : 50	Minimum Passing Marks: 20

PART B: CONTENT OF THE COURSE		
कुल शैक्षणिक कालखंडों की सँख्या = 60 काल खण्ड (60 घंटे) **सैद्धांतिक = 15 कालखंड (15 घंटे) तथा प्रायोगिक / क्षेत्रीय कार्य / प्रशिक्षण = 30 कालखंड (30 घंटे)**		
Module इकाई	पाठ्य वस्तु	कालखंडों की सँख्या
सैद्धांतिक	**संप्रेषण कला** अवधारणा, महत्व और प्रकार (वाचिक, लिखित आंगिक आदि) व्यक्तित्व विकास में संप्रेषण की उपयोगिता सर्जनात्मक हिन्दी अवधारणा, उपयोगिता। विविध विधाओं में लेखन- रिपोर्ताज, फीचर, स्तंभ लेखन, प्रतिवेदन आदि	15
प्रायोगिक / क्षेत्रीय कार्य / प्रशिक्षण	**प्रायोगिक कार्य** मौखिक - तात्कालिक भाषण, भाषण ग्रुप डिस्कशन मंच संचालन समाचार वाचन साक्षात्कार, रिर्पोटिंग। लिखित स्पॉट राइटिंग (रचनात्मक लेखन) रिपोतीज, फीचर, स्तंभ लेखन, प्रतिवेदन, यात्रा वृत्तांत, संस्मरण। संप्रेषण कला अंतर्गत प्रदत्त विषय पर लकविता, कहानी, निबंध आदि पर रचनात्मक लेखन का अभ्यास।	30

PART C - LEARNING RESOURCE (संदर्भ ग्रन्थ)

Text Books, Reference Books, Other Resources Text Books, Reference Books and Others

1. भारतीयता के अमर स्वर, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी
2. सारांश लेखन संक्षेपण और भाव सम्प्रसारण : मनोज पब्लिकेशन
3. हिन्दी भाषा : संप्रेषण कौशल
4. संक्षेपण और पल्लवन कैलाश चन्द्र भाटिया, तुमन सिंह
5. आधुनिक जन संचार और हिन्दी हरि मोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
6. सृजनात्मक लेखन और संचार क्षमता जय मोहन एम.एस., डॉ. सुमा एस., वाणी प्रकाशन

Online Resources: (e- Resources/ e- Books/ e- Learning Portals)

1. www.wikipaedia.com
2. www.egyankosh.ac.in
3. https://ugcmoocs.inflibnet.ac.in
4. https://www.csttpublication.mhrd.gov.in

PART D: ASSESSMENT AND EVALUATION

Suggested Continuous Evaluation Methods:	सतत आंतरिक मूल्यांकन
Maximum Marks: 50 Marks	अधिकतम अंक : 50 अंक
Continuous Internal Assessment (CIA): 15 Marks	सतत आंतरिक मूल्यांकन : 15अंक
End Semester Exam (ESE): 35 Marks	सत्रांत परीक्षा : 35 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : सतत आंतरिक मूल्यांकन Continuous Internal Assessment: (CIA)	आंतरिक मूल्यांकन / क्विज़-(2)10 & 10 अंक सत्रीय कार्य/सेमिनार+कक्षा में उपस्थिति 05 अंक कुल 15 अंक Internal Test/Quiz-(2) : 10 & 10 Marks Assignment/Seminar+Attendance - 05 Marks Total Marks 15 Marks	दो जाँच परीक्षा/क्विज़ में से जिसमें भी अधिक अंक प्राप्त होंगे, उन्हें आंतरिक मूल्यांकन के 15 अंकों के अंतर्गत लिया जाएगा। Better marks out of the two Tests / Quiz Obtained marks in assignment shall be considered against 15 marks
सत्रांत परीक्षा Semester End Exam (SEE)	Laboratory/Field Skill Performance: On spot Assessment A. Performed the Task Based on learned skill-20 Marks B. Spotting Based on tools (written) - 10 Marks C. Viva-vose (Based on Principle/technology) -05 Marks प्रायोगिक कार्य/क्षेत्र अध्ययन कार्य :तत्स्थान मूल्यांकन क. अर्जित कौशल का प्रदर्शन : 20 अंक ख. उपकरण आधारित तत्स्थान अभ्यास (लिखित) : 10 अंक ग. मौखिकी (सैद्धांतिक एवं तकनीक विषयक) 05 अंक	समन्वयक द्वारा कौशल अनुरूप निर्णय Managed by Coordinator as per skill

हिंदी तृतीय सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

क्षमता संवद्र्धन पाठ्यक्रम (AEC)

कौशल संवद्र्धन पाठ्यक्रम (SEC)

हिंदी तृतीय सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

क्षमता संवद्धर्धन पाठ्यक्रम (AEC)

कौशल संवद्धर्धन पाठ्यक्रम (SEC)

सत्र 2024-25

बी.ए.तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम (कोर कोर्स - DSC) हिंदी

आधुनिक हिंदी कविता : भारतेंदु-युग से छायावादी तथा छायावाद की समवर्ती कविता तक

पाठ्यक्रम कोड : BHN-CCH-301

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इस पाठ का उद्देश्य है, भारतेंदु युगीन कविता, द्विवेदी युगीन कविता और छायावादी कविता के स्वरूप का विद्यार्थियों को ज्ञान कराना, ताकि छायावादी कविता के काल तक आते-आते कविता के भाषा-शिल्प और संवेदना के क्रमिक विकास को विद्यार्थी जान सकें।
2. भारतेंदु युग से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों एवं परिवेश से विद्यार्थियों का परिचय कराना।
3. तत्कालीन राजनीतिक, सांस्कृतिक आंदोलनों एवं उनके साहित्यिक रूपान्तरण के बारे जानकारी व परिचय।
4. राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से अवगत कराना।
5. ब्रजभाषा से क्रमशः खड़ी बोली के कविता भाषा बनने और निखरने के इतिहास से अवगत कराना।
6. छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम की संरचना :

इकाई 1. हिंदी की आधुनिक कविता : ऐतिहासिक विकास :

i. भारतेंदु-पूर्व काव्यधारा तथा भारतेंदु युगीन परिवेश : सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिवेश, भारतेंदु युगीन काव्यधारा : सामाजिक चेतना, भक्ति भावना श्रृंगार प्रियता, प्रकृति प्रेम, राष्ट्रीय चेतना, समस्यापूर्ति, हास्य आदि।

ii. द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : राष्ट्रीयता, मानवता, नीति और आदर्श, वर्ण्य विषयों में विविधता और क्षेत्र-विस्तार, हास्य-व्यंग्य संबंधी काव्य, विभिन्न काव्य रूपों का प्रयोग, छंद-वैविध्य, भाषा सौष्ठव आदि।

iii. छायावाद : नामकरण, पृष्ठभूमि और परिवेश, प्रमुख धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ।

iv. छायावाद तथा छायावाद युगीन समवर्ती राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा : ऐतिहासिक विकास, पृष्ठभूमि तथा प्रवृत्तियाँ।

इकाई 2. भारतेंदुयुगीन कवि तथा उनकी रचनाएँ :

भारतेंदु हरिश्चंद्र (नये ज़माने की मुकरियाँ), प्रतापनारायण मिश्र (होलिका पंचक), चौधरी बदरीनारायण 'प्रेमघन' (भागो भागो अब काल पड़ा है भारी)

इकाई 3. द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी कवि तथा उनकी रचनाएँ :

द्विवेदीयुगीन कवि –

मैथिलीशरण गुप्त (सखि वे मुझसे कहकर जाते), रामनरेश त्रिपाठी (स्वदेश गौरव)।

छायावादी कवि –

जयशंकर प्रसाद (अशोक की चिंता), सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (संध्या सुंदरी, जुही की कली) सुमित्रानंदन पंत (बादल, मोह), महादेवी वर्मा (मैं नीर भरी दु:ख की बदली)।

इकाई 4. छायावाद युगीन समवर्ती राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के कवि तथा उनकी रचनाएँ :

माखनलाल चतुर्वेदी (बलिपंथी से, उलाहना, सांझ और ढोलक की थापें), सियारामशरण गुप्त (शंखनाद, संतोष), सुभद्रा कुमारी चौहान (मेरा नया बचपन, जलियाँवाला बाग़ में वसंत, तुम)।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम

1. 20वीं शताब्दी की शुरुआत के कुछ पूर्व से ही इस पाठ में विद्यार्थियों को कविता के स्वरूप का ज्ञान होगा। छायावादी कविता के काल तक आते-आते कविता की भाषा-शिल्प और संवेदना के क्रमिक विकास को विद्यार्थी जान सकेंगे।
2. भारतेंदु युग से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों एवं परिवेश से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
3. तत्कालीन राजनीतिक , सांस्कृतिक आंदोलनों एवं उनके साहित्यिक रूपान्तरण के बारे में जान सकेंगे।
4. राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से परिचित हो सकेंगे।
5. ब्रजभाषा से क्रमशः खड़ी बोली के कविता भाषा बनने और निखरने के इतिहास से परिचित हो सकेंगे।
6. छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।

अंक विभाजन –

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।

प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद का पतन : देवराज उपाध्याय
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : डॉ. रामविलास शर्मा
3. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण : डॉ. रामविलास शर्मा
4. नवजागरण की समस्याएँ : डॉ. रामविलास शर्मा
5. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह

सत्र 2024-25

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

जेनेरिक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course - GEC), हिंदी

आधुनिक हिंदी कविता : भारतेंदु-युग से छायावादी तथा छायावाद की समवर्ती कविता तक

पाठ्यक्रम कोड : BHN-GEC- 302

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इस पाठ का उद्देश्य है, भारतेंदु युगीन कविता, द्विवेदी युगीन कविता और छायावादी कविता के स्वरूप का विद्यार्थियों को ज्ञान कराना, ताकि छायावादी कविता के काल तक आते-आते कविता के भाषा-शिल्प और संवेदना के क्रमिक विकास को विद्यार्थी जान सकें।
2. भारतेंदु युग से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों एवं परिवेश से विद्यार्थियों का परिचय कराना।
3. तत्कालीन राजनीतिक , सांस्कृतिक आंदोलनों एवं उनके साहित्यिक रूपांतरण के बारे जानकारी से अवगत कराना।
4. राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से अवगत कराना।
5. ब्रजभाषा से क्रमशः खड़ी बोली की कविता-भाषा बनने और निखरने के इतिहास से अवगत कराना।
6. छायावादी काव्य-संवेदना और अभिव्यक्ति सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम की संरचना :

इकाई 1. हिंदी की आधुनिक कविता : ऐतिहासिक विकास :

i. भारतेंदु-पूर्व काव्यधारा तथा भारतेंदु युगीन परिवेश : सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिवेश, भारतेंदु युगीन काव्यधारा : सामाजिक चेतना, भक्ति भावना श्रृंगार प्रियता, प्रकृति प्रेम, राष्ट्रीय चेतना, समस्यापूर्ति, हास्य आदि।

ii. द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : राष्ट्रीयता, मानवता, नीति और आदर्श, वर्ण्य विषयों में विविधता और क्षेत्र-विस्तार, हास्य-व्यंग्य संबंधी काव्य, विभिन्न काव्य रूपों का प्रयोग, छंद-वैविध्य,

भाषा सौष्ठव आदि।

iii. छायावाद तथा छायावाद युगीन समवर्ती राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा : ऐतिहासिक विकास, पृष्ठभूमि तथा प्रवृत्तियाँ।

Iv. छायावाद : नामकरण, पृष्ठभूमि और परिवेश, प्रमुख धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई 2. भारतेंदुयुगीन कवि तथा उनकी रचनाएँ :

भारतेंदु हरिश्चंद्र (नये ज़माने की मुकरियाँ), प्रतापनारायण मिश्र (होलिका पंचक), चौधरी बदरीनारायण 'प्रेमघन' (भागो भागो अब काल पड़ा है भारी)

इकाई 3. द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी कवि तथा उनकी रचनाएँ :

द्विवेदीयुगीन कवि -

मैथिलीशरण गुप्त (सखि वे मुझसे कहकर जाते), रामनरेश त्रिपाठी (किसान)।

छायावादी कवि -

जयशंकर प्रसाद (अशोक की चिंता), सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (संध्या सुंदरी, जुही की कली) सुमित्रानंदन पंत (बादल, मोह), महादेवी वर्मा (मैं नीर भरी दु:ख की बदली)।

इकाई 4. छायावाद युगीन समवर्ती राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के कवि तथा उनकी रचनाएँ :

माखनलाल चतुर्वेदी (बलिपंथी से, उलाहना, सांझ और ढोलक की थापें), सियारामशरण गुप्त (शंखनाद, संतोष), सुभद्रा कुमारी चौहान (मेरा नया बचपन, जलियाँवाला बाग़ में वसंत, तुम)।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम :

1. इस पाठ के तीन खंड होंगे-भारतेंदु युगीन कविता, द्विवेदी युगीन कविता और छायावादी कविता । इस प्रकार 20वीं शताब्दी की शुरुआत के कुछ पूर्व से ही इस पाठ में विद्यार्थियों को कविता के स्वरूप का ज्ञान होगा। छायावादी कविता के काल तक आते-आते कविता की भाषा-शिल्प और संवेदना के क्रमिक विकास को विद्यार्थी जान सकेंगे।
2. भारतेंदु युग से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों एवं परिवेश से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
3. तत्कालीन राजनीतिक , सांस्कृतिक आंदोलनों एवं उनके साहित्यिक रूपान्तरण के बारे में जान सकेंगे।
4. राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से परिचित हो सकेंगे।
5. ब्रजभाषा से क्रमशः खड़ी बोली के कविता भाषा बनने और निखरने के इतिहास से परिचित हो सकेंगे।

6. छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।

अंक विभाजन –

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद का पतन : देवराज उपाध्याय
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : डॉ. रामविलास शर्मा
3. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण : डॉ. रामविलास शर्मा
4. नवजागरण की समस्याएँ : डॉ. रामविलास शर्मा
5. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह

सत्र 2024-25

बी.ए.तृतीय सेमेस्टर

विषय केंद्रित पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective -DES), हिंदी

लोक साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : BHN-DES-303

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

पाठ्यक्रम का **उद्देश्य** निम्नवत होगा-

1.विद्यार्थियों को वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लेकर वैश्विक संदर्भ से जोड़ना।

2 .विद्यार्थियों को लोक साहित्य की भाव गंभीरता, सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्रदान करना।

प्रस्तावित संरचना -

इकाई-1

लोक साहित्य: परिभाषा और स्वरूप, लोक साहित्य संकलन: उद्देश्य, पद्धतियां, समस्याएं और समाधान।

इकाई-2

लोक साहित्य के लोक तत्व, लोक कथा का स्वरुप और महत्व।

इकाई-3

लोकगीत का स्वरुप और महत्व।

इकाई-4

लोक नाट्य परंपरा : नौटंकी, लोक साहित्य में नैतिकता और प्रेम संदर्भ।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम

1.विद्यार्थी वर्तमान युग में अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लेकर वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंगे।

2 .विद्यार्थियों को लोक साहित्य के भावपक्ष, सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त होगा।

अंक विभाजन –

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रंथ–

1. भारत के लोक नाट्य – शिवकुमार माथुर
2. लोकधर्मी नाट्य परंपरा – श्याम परमार
3. लोक साहित्य की भूमिका – कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोक साहित्य की भूमिका – रामनरेश त्रिपाठी
5. लोक संस्कृति – वसंत निरगुणे
6. लोक साहित्य का अवगमन – त्रिलोचन पांडेय
7. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ सत्येंद्र
8. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा – दुर्गा भागवत
9. लोक जीवन के कलात्मक आया – कालूराम परिहार
10. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग – श्रीराम शर्मा
11. लोक साहित्य का वृहद इतिहास – कृष्णदेव उपाध्याय

सत्र 2024-25

तृतीय सेमेस्टर

क्षमता संवर्द्धन पाठ्यक्रम (Ability Enhancement Course - AEC), हिंदी

रचना-कौशल

पाठ्यक्रम कोड : BHN- AEC-304

क्रेडिट :2

पूर्णांक : 40

पाठयक्रम का उद्देश्य -

पाठयक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा-

1. विद्यार्थियों में भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
2. व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेंगे।
3. विद्यार्थी लेखन कला सीख सकेंगे।
4. विद्यार्थियों में भाषिक सृजनात्मक

प्रस्तावित संरचना -

इकाई-1

रचना से तात्पर्य, रचना-शिक्षण के उद्देश्य, एवं महत्त्व, नियंत्रित एवं स्वतंत्र रचना, रचना के प्रकार (मौखिक एवं लिखित, व्यावहारिक एवं पुनर्रचनात्मक)। इन बिंदुओं पर सूचनात्मक तथा सामान्य रूप से परिचयात्मक जानकारी अपेक्षित है।

रचना की तैयारी (विषय का ज्ञान, विषय का सीमा-निर्धारण, सामग्री का एकत्रीकरण एवं नियोजन)।

इकाई-2

व्यावहारिक लेखन (नोट्स लेखन, संक्षेपण एवं सार लेखन, पल्लवन, रिपोर्ट लेखन का परिचय, उनके स्वरूप तथा उनका व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक अध्ययन)

इकाई-3

पुनर्रचनात्मक लेखन (सृजनात्मक और वर्णनात्मक लेखन)

सृजनात्मक लेखन (साहित्य की विभिन्न विधाएँ-कविता, कहानी, निबंध, नाटक, एकांकी, उपन्यास, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा आदि) इनका उल्लेख और सामान्य परिचय मात्र अपेक्षित है।

वर्णनात्मक लेखन (व्यक्ति का वर्णन, दृश्य का वर्णन, स्थिति या दशा का वर्णन का व्यावहारिक अध्ययन)

इकाई-4

प्रभावी लेखन (प्रभावी लेखन की अवधारणा तथा उसका उद्देश्य, विषयवस्तु के स्तर पर प्रभावी लेखन, शिल्प के स्तर पर प्रभावी लेखन) प्रभावी रचना-कौशल के विकास के लिए क्रियाकलाप अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. विद्यार्थियों में भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
2. व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेंगे।
3. विद्यार्थी लेखन- कला सीख सकेंगे l

अंक विभाजन -

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क,ख, तथा ग) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 40 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 10 अंक होंगे।

क्र.	प्रश्न का प्रकार	अंक
खंड-क	अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे)	1 x 10 = 10
खंड-क	लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)	2 x 5 = 10
खंड-क	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)	4 x 5 = 20
	आंतरिक मूल्यांकन (सेमेस्टर परीक्षा पैटर्न के अनुसार)	10
	कुल अंक	50

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।

प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रंथ-

1. रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
2. हिंदी वाक्य विन्यास - सुधा कश्यप
3. संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित

सत्र 2024-25

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम तृतीय सेमेस्टर

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स SEC), हिंदी

कार्यालयीन भाषा-अनुप्रयोग

पाठ्यक्रम कोड: SECH- 305

क्रेडिट: 02

कुल अंक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को -

1. कार्यालयीन भाषा के रूप में हिंदी के प्रकार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी से अवगत कराना।
2. हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पध्दति और प्रक्रिया से अवगत कराना।
3. हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देना ज्ञान कराना।
4. बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और कानून की शब्दावली का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम विवरण -

इकाई -1

कार्यालयीन भाषा प्रारूपण (पत्राचार, कार्यालय ज्ञापन , कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, अर्धशासकीय पत्र आवेदन पत्र, प्रतिवेदन, अनुस्मारक पृष्ठांकन, शासकीय संकल्प)।

इकाई-2

टिप्पण -प्रक्रिया एवं स्वरूप, व्यावहारिक अनुप्रयोग।

संक्षेपण-प्रक्रिया एवं स्वरूप -कार्यालयीन अनुप्रयोग। पारिभाषिक शब्दावली - स्वरूप, प्रक्रिया एवं महत्व।

इकाई- 3

अनुवाद का स्वरूप -प्रक्रिया, प्रविधि एवं महत्व। कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद।

इकाई- 04

अनुवाद का प्रकार्यात्मक महत्व जनसंचार विज्ञान, तकनीकी, बैंकिंग, वाणिज्य, विधि आदि क्षेत्रों में अनुवाद की भूमिका।

प्रायोगिक ज्ञान/प्रोजेक्ट :

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के आधार पर प्रारूपण, टिप्पण एवं अनुवाद से संबंधित प्रोजेक्ट कार्य कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा।

1. कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पण एवं अनुवाद।

2. अनुवाद दक्षता का व्यावहारिक परीक्षण ।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को-

1. राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रकार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी प्राप्त होगी।

2. हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पद्धति और प्रक्रिया का समुचित ज्ञान होगा।

3. हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी प्राप्त होगी।

4. बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और कानून की शब्दावली का ज्ञान होगा।

5. कार्यालयीन कामकाज में अनुवाद के प्रयोग का सामान्य ज्ञान हो सकेगा।

अंक प्रणाली

SEC/VAC के लिए :

अंकों का वितरण निम्नानुसार होगा -

1. पाठ्यक्रम में कुल 50 अंक होंगे।

1. SEC एवं VAC में आंतरिक परीक्षा नहीं होगी। सिर्फ Project 25 अंको का होगा। सेमेस्टर अंत परीक्षा में 10 प्रश्न दिये जाएँगे। उनमें से कोई पाँच प्रश्न हल करने होंगे। सेमेस्टर अंत प्रश्नपत्र 25 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा।

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति	-	चंद्रपाल शर्मा
2. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग	-	गोपीनाथ श्रीवास्तव
3. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना	-	डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद)
4. प्रयोजनमूलक हिंदी	-	विनोद गोदरे
5. प्रयोजनमूलक हिंदी	-	माधव सोनटक्के
6.प्रयोजनमूलक हिंदी	-	डॉ. संजीव जैन

हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (G EC)

कौशल संवद्र्धन पाठ्यक्रम (SEC)

हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (G EC)

कौशल संवद्र्धन पाठ्यक्रम (SEC)

सत्र 2024-25

बी.ए.चतुर्थ सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम (कोर कोर्स -DSC), हिंदी

हिंदी साहित्य : प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक

पाठ्यक्रम कोड : BHN-CCH-401

क्रेडिट :4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. उत्तर छायावाद युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों एवं विसंगतियों से उपजे काव्यान्दोलनों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2. प्रगतिशील साहित्य-दृष्टि के वैचारिक आधार और अभिप्राय की स्पष्ट रूप से जानकारी देना।
3. इतिहास दृष्टि और लोकजीवन तथा प्रकृति से कविता के सरोकार को रेखांकित करना।
4. प्रयोगवादी काव्य की रचनात्मक प्राथमिकताओं, भावबोध और भाषा को समझने की दृष्टि विकसित करना।
5. समकालीन कविता के युगबोध को वस्तुगत, सामाजिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य सहित समझने में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
6. वैश्वीकरण और भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य और चुनौतियों को समझने का आधार प्रदान करना।

पाठ्यक्रम की संरचना :

इकाई 1. छायावादोत्तर काव्य परिदृश्य और छायावादोत्तर कविता की भूमिका :

i. उत्तर-छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, समकालीन कविता (1980 के बाद की कविता) के ऐतिहासिक विकास का सामान्य परिचय ।

ii. भाव बोध और काव्य भाषा में बदलाव के संदर्भ, छायावादोत्तर काव्यधारा प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावादोत्तर गीतधारा एवं प्रमुख कवि।

iii. छायावादोत्तर कविता में यथार्थ-दृष्टि के उदय का परिचयात्मक विवरण (संदर्भ-निराला की यथार्थ दृष्टि-सम्पन्न कविताएँ और पंत का उत्तर छायावादी काव्य : निराला और पंत का प्रगतिवादी स्वर)।

इकाई 2. प्रगतिवादी काव्यधारा एवं उसके प्रमुख कवियों की रचनाएँ :

i. छायावादी काव्यधारा से संबद्ध कवि : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र, तोड़ती पत्थर, भिक्षुक) सुमित्रानन्दन पंत (ताज, श्रमजीवी, ग्रामश्री)।

ii . मूलतः प्रगतिवादी कवि : केदारनाथ अग्रवाल (वह चिड़िया जो, एक हथौड़ेवाला घर में और हुआ, आज नदी बिलकुल उदास थी) नागार्जुन (अकाल और उसके बाद, सिंदूर तिलकित भाल, बहुत दिनों के बाद) त्रिलोचन (तुलसी बाबा, भाषा मैंने तुम से सीखी; चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती, उस जनपद का कवि हूँ)।

इकाई 3 . प्रयोगवादी काव्यधारा , नयी कविता,अकविता का ऐतिहासिक परिदृश्य, काव्य प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवियों की रचनाएँ :

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (नदी के द्वीप, क्योंकि तुम हो, सवेरे उठा तो धूप खिल कर छा गई थी) , गजानन माधव मुक्तिबोध (भूल ग़लती, ब्रह्मराक्षस), रघुवीर सहाय (रामदास, किताब पढ़कर रोना)।

इकाई 4. समकालीन कविता का परिदृश्य और उसके प्रमुख कवियों की रचनाएँ :

श्रीकांत वर्मा (दो चिड़ियों का गान, मगध), केदारनाथ सिंह (बनारस, रोटी), विनोद कुमार शुक्ल (हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था, कितना बहुत है), राजेश जोशी (मारे जाएँगे, नाना की साइकिल), अरुण कमल(उत्सव, डेली पैसेंजर)।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम :

1. उत्तर छायावाद युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों एवं विसंगतियों से उपजे काव्यान्दोलनों से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
2. प्रगतिशील का वैचारिक आधार और अभिप्राय स्पष्ट रूप से जान सकेंगे।
3. इतिहास दृष्टि और लोकजीवन तथा प्रकृति से कविता के सरोकार को रेखांकित कर सकेंगे।
4. प्रयोगवादी काव्य की रचनात्मक प्राथमिकताओं, भावबोध और भाषा को समझ सकेंगे।
5. समकालीन कविता के युगबोध को वस्तुगत, सामाजिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य सहित समझ सकेंगे।
6. वैश्वीकरण और भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य और चुनौतियों को समझने का आधार मिलेगा।

अंक विभाजन –

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई–1	इकाई–2	इकाई–3	इकाई–4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।

प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रंथ :

1. नयी कविता : सीमाएं और संभावनाए – गिरजाकुमार माथुर
2. नयी कविता स्वरूप एवं समस्याएँ – जगदीश गुप्त
3. समकालीन हिंदी साहित्य विविध परिदृश्य – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. आधुनिक हिंदी साहित्य विविध आयाम – रामचंद्र तिवारी
5. प्रगतिवाद – रामविलास शर्मा
6. प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ – रामविलास शर्मा

सत्र 2024-25

बी.ए.चतुर्थ सेमेस्टर

जेनेरिक पाठ्यक्रम (GEC), हिंदी

हिंदी साहित्य : प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक

पाठ्यक्रम कोड : BHN-CCH-402

क्रेडिट :4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. उत्तर छायावाद युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों एवं विसंगतियों से उपजे काव्यान्दोलनों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2. प्रगतिशील साहित्य-दृष्टि के वैचारिक आधार और अभिप्राय की स्पष्ट रूप से जानकारी देना।
3. इतिहास दृष्टि और लोकजीवन तथा प्रकृति से कविता के सरोकार को रेखांकित करना।
4. प्रयोगवादी काव्य की रचनात्मक प्राथमिकताओं, भावबोध और भाषा को समझने की दृष्टि विकसित करना।
5. समकालीन कविता के युगबोध को वस्तुगत, सामाजिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य सहित समझने में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
6. वैश्वीकरण और भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य और चुनौतियों को समझने का आधार प्रदान करना।

पाठ्यक्रम की संरचना :

इकाई 1. छायावादोत्तर काव्य परिदृश्य और छायावादोत्तर कविता की भूमिका :

i. उत्तर-छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, समकालीन कविता (1980 के बाद की कविता) के ऐतिहासिक विकास का सामान्य परिचय ।

ii. भाव बोध और काव्य भाषा में बदलाव के संदर्भ, छायावादोत्तर काव्यधारा प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावादोत्तर गीतधारा एवं प्रमुख कवि।

iii. छायावादोत्तर कविता में यथार्थदृष्टि के उदय का परिचयात्मक विवरण (संदर्भ-निराला की यथार्थ दृष्टि-सम्पन्न कविताएँ और पंत का उत्तर छायावादी काव्य : निराला और पंत का प्रगतिवादी स्वर)।

इकाई 2. प्रगतिवादी काव्यधारा एवं उसके प्रमुख कवियों की रचनाएँ :

i. छायावादी काव्यधारा से संबद्ध कवि : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र, तोड़ती पत्थर, भिक्षुक) सुमित्रानंदन पंत (ताज, श्रमजीवी, ग्राम श्री)।

ii .मूलतः प्रगतिवादी कवि : केदारनाथ अग्रवाल (वह चिड़िया जो, एक हथौड़ेवाला घर में और हुआ, आज नदी बिलकुल उदास थी) नागार्जुन (अकाल और उसके बाद, सिंदूर तिलकित भाल, बहुत दिनों के बाद) त्रिलोचन (तुलसी बाबा, भाषा मैंने तुम से सीखी; चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती, उस जनपद का कवि हूँ)।

इकाई 3 . प्रयोगवादी काव्यधारा , नयी कविता,अकविता का ऐतिहासिक परिदृश्य, काव्य-प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवियों की रचनाएँ :

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (नदी के द्वीप, क्योंकि तुम हो, सवेरे उठा तो धूप खिली थी) , गजानन माधव मुक्तिबोध (भूल ग़लती, ब्रह्मराक्षस), रघुवीर सहाय (रामदास, किताब पढ़कर रोना)।

इकाई 4. समकालीन कविता का परिदृश्य और उसके प्रमुख कवियों की रचनाएँ :

श्रीकांत वर्मा (दो चिड़ियों का गान, मगध), केदारनाथ सिंह (बनारस, रोटी), विनोद कुमार शुक्ल (हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था, कितना बहुत है), राजेश जोशी (मारे जाएँगे, नाना की साइकिल), अरुण कमल(उत्सव, डेली पैसेंजर)।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम :

1. उत्तर छायावाद युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों एवं विसंगतियों से उपजे काव्यान्दोलनों से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
2. प्रगतिशील काव्य का वैचारिक आधार और अभिप्राय स्पष्ट रूप से जान सकेंगे।
3. इतिहास दृष्टि और लोक-जीवन तथा प्रकृति से कविता के सरोकार को रेखांकित कर सकेंगे।
4. प्रयोगवादी काव्य की रचनात्मक प्राथमिकताओं, भावबोध और भाषा को समझ सकेंगे।
5. समकालीन कविता के युगबोध को वस्तुगत, सामाजिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य सहित समझ सकेंगे।
6. वैश्वीकरण और भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य और चुनौतियों को समझने का आधार मिलेगा।

अंक विभाजन -

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।

प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रंथ :

1. नयी कविता : सीमाएँ और संभावनाएँ - गिरिजाकुमार माथुर
2. नयी कविता स्वरूप एवं समस्याएँ - जगदीश गुप्त
3. समकालीन हिंदी साहित्य विविध परिदृश्य - रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. आधुनिक हिंदी साहित्य विविध आयाम - रामचंद्र तिवारी
5. प्रगतिवाद - रामविलास शर्मा
6. प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ - रामविलास शर्मा

सत्र 2024-25

बी.ए.चतुर्थ सेमेस्टर

विषय केंद्रित पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES), हिंदी

छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : BHN-DES-403

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को

1. लोक साहित्य की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करना ।
2. छत्तीसगढ़ी लोक- साहित्य एवं संस्कृति के अंतर्संबंध को समझना।
3. छत्तीसगढ़ी लोक -साहित्य की परंपरा एवं विरासत से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण :

इकाई 1

लोक साहित्य अवधारणा, अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व लोकवार्ता और लोक - संस्कृति,
लोक- संस्कृति और साहित्य ।

इकाई 2

छत्तीसगढ़ी साहित्य में लोकतत्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक- साहित्य का अंतर्सम्बन्ध ।
छत्तीसगढ़ी लोक - साहित्य की परंपरा ।

इकाई 3

छत्तीसगढ़ी लोक -साहित्य के विविध रुप, छत्तीसगढ़ी लोक-गीत के विविध रूप। छत्तीसगढ़ी विविध लोक-कथाएँ।

इकाई 4

लोक नाट्य, लोक गाथा।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम-

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी
1. लोक साहित्य की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करेंगे
2. लोक साहित्य के महत्व को समझ सकेंगे ।
3 छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति तथा लोक- साहित्य की परंपरा एवं विरासत को सहेजने के प्रति जागरूक होंगे।

अंक विभाजन -

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।

प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रंथ-

1. भारत के लोक नाट्य - शिवकुमार माथुर
2. लोकधर्मी नाट्य परंपरा - श्याम परमार
3. लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोक साहित्य की भूमिका - रामनरेश त्रिपाठी
5. लोक संस्कृति - वसंत निरगुणे
6. लोक साहित्य का अवगमन - त्रिलोचन पांडेय
7. लोक साहित्य विज्ञान - डॉ सत्येंद्र
8. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा - दुर्गा भागवत
9. लोक जीवन के कलात्मक आयाम - कालूराम परिहार
10. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग - श्रीराम शर्मा

11.लोक साहित्य का वृहत इतिहास	-	कृष्णदेव उपाध्याय
12. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का अध्ययन डॉ. दयाशंकर शुक्ल	-	वैभव प्रकाशन, रायपुर
13 . छत्तीसगढ़ी लोक- जीवन और साहित्य का अध्ययन	-	डॉ शकुंतला वर्मा, रचना प्रकाशन,
14. छत्तीसगढ़ी गीत	-	जमुना प्रसाद कसार श्री प्रकाशन, दुर्ग
15. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं लोक साहित्य डॉ. बिहारी लाल साहू	-	वैभव प्रकाशन, रायपुर
16. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा	-	महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग *
छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और रंगकर्म	-	डॉ. उषा वैरागकर आठले श्री प्रकाशन, दुर्ग

अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

सत्र - 2024 - 25

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम चतुर्थ सेमेस्टर

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स-SEC), हिंदी

विज्ञापन और समाचार लेखन

पाठ्यक्रम कोड: SECH-404

पूर्णांक : 40

केडिट : 02

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का -उद्देश्य है विद्यार्थियों को-

1. विज्ञापन- लेखन की कला से अवगत कराना।
2. मीडिया उद्योग के सम्बन्ध में जानकारी देना।
3. समाचार लेखन- कला का ज्ञान कराना।
4. मीडिया के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना।
5. साक्षात्कारकर्ता के रूप में विद्यार्थियों को तैयार करना।

पाठ्यक्रम विवरण-

इकाई-1 विज्ञापन की परिभाषा और स्वरूप, विज्ञापन के उद्देश्य, विज्ञापन माध्यम।

इकाई - 2 विज्ञापन- लेखन : विज्ञापन कॉपी लेखन, विज्ञापन कॉपी के अंग, कॉपी लेखक के गुण

इकाई - 3 समाचार की परिभाषा और स्वरूप, समाचार के विभिन्न स्रोत, समाचार संकलन, समाचार लेखन

इकाई - 4 समाचार- पत्र का प्रबंधन

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थियों में

1. विज्ञापन लेखन के प्रति उनकी अभिरुचि विकसित होगी।
2. मीडिया उद्योग में वे अच्छे कॉपी लेखक बन सकेंगे।
3. समाचार लेखन में अभिरुचि विकसित होगी।
4. रोजगार की दृष्टि से मीडिया के क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ेगी।
5. छात्र मीडिया के लिए महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम हो सकेंगे।

अंक प्रणाली

SEC/VAC के लिए :

अंकों का वितरण निम्नानुसार होगा –

1. पाठ्यक्रम में कुल 50 अंक होंगे।

1. SEC एवं VAC में आंतरिक परीक्षा नहीं होगी। सिर्फ Project 25 अंको का होगा। सेमेस्टर अंत परीक्षा में 10 प्रश्न दिये जाएँगे। उनमें से कोई पाँच प्रश्न हल करने होंगे। सेमेस्टर अंत प्रश्नपत्र 25 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा।

संदर्भ पुस्तकें :

1. जनसंपर्क : प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
2. हिंदी पत्रकारिता – डॉ. कृष्णबिहारी)

हिंदी पंचम सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC)

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम (SEC)

हिंदी पंचम सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC)

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम (SEC)

सत्र 2024-2025

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

विषय केंद्रित पाठ्यक्रम (Core Course, DSC), हिंदी

कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास)

पाठ्यक्रम कोड : CCH-501

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिंदी कथा साहित्य की परंपरा से परिचित कराना।
2. कथा साहित्य को ज़मीनी वास्तविकता के साक्ष्य से समझना।
3. हिंदी में छत्तीसगढ़ की साहित्यिक सृजनशीलता की उपस्थिति की पहचान करना।
4. कथा साहित्य के विकास का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण :

इकाई 1. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास

हिंदी कहानी : उद्भव और विकास

इकाई 2. प्रतिनिधि कहानियाँ

ठाकुर का कुआँ : प्रेमचंद

उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी

पाजेब : जैनेन्द्र कुमार

इकाई 3. प्रतिनिधि कहानियाँ

संवदिया (फणीश्वरनाथ रेणु), चीफ़ की दावत (भीष्म साहनी), मैं हार गई (मन्नू भंडारी)

इकाई 4. काला जल : शानी

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. हिंदी कथा साहित्य की परंपरा से परिचित होंगे
2. कथा साहित्य को ज़मीनी वास्तविकता के साक्ष्य से समझ सकेंगे।
3. हिंदी में छत्तीसगढ़ की साहित्यिक सृजनशीलता की उपस्थिति की पहचान कर पाएँगे।
4. कथा साहित्य के विकास से सम्यक रूप से परिचित हो सकेंगे।

अंक विभाजन –

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।

प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. कुछ कहानियाँ: कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिंदी गद्य विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश
4. प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा
5. उपन्यास का शिल्प : डॉ० गोपाल राय
6. हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा : मधुरेश
7. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानन्द श्रीवास्तव
8. काला जल : शानी
9. प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रतिनिधि कहानियाँ : चंद्रधर शर्मा गुलेरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रतिनिधि कहानियाँ : जैनेन्द्र कुमार , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रतिनिधि कहानियाँ : फणीश्वरनाथ रेणु , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रतिनिधि कहानियाँ : भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रतिनिधि कहानियाँ : मन्नू भंडारी , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

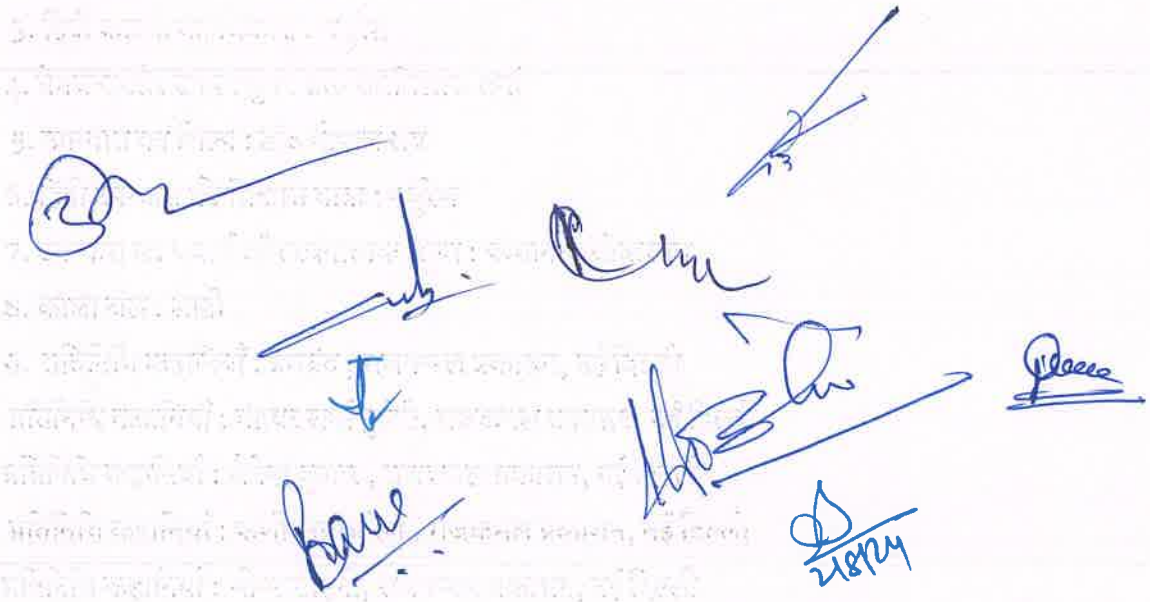

सत्र 2024-2025

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES), हिंदी

भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : BHN- CCH-502

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. भारतीय साहित्य की वृहत परंपरा से परिचित कराना।
2. भारतीय संस्कृति की विविधता से परिचय कराना।
3. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं की पहचान करना।
4. भारतीय संस्कृति और साहित्य की मूलभूत एकता का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण :

इकाई 1. भारत में भौगोलिक विविधता (राजनीतिक और क्षेत्रीय भूगोल) एवं सांस्कृतिक बहुलता (खानपान, रहन-सहन, भाषा-बोली, सामाजिक व्यवहार, परम्परा और रीतिरिवाज की विविधता)

इकाई 2. भारत की भाषाई विविधता : भारोपीय परिवार की भाषाएँ, द्रविड़ परिवार की भाषाएँ, आग्नेय परिवार की भाषाएँ, चीनी-तिब्बती परिवार की भाषाएँ

इकाई 3. भारतीयता और भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य का उद्भव, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता, समानता और विविधता के तत्त्व।

इकाई 4. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ : बहुभाषिकता, भाषा परिवारों की विभिन्नता, बहुसांस्कृतिकता, विभिन्न भाषाओं के साहित्य के समग्र अध्ययन की पद्धति और परम्परा का अभाव, उनके काल-विभाजन की समस्या।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. भारतीय साहित्य की वृहत परंपरा से परिचित होंगे।
2. भारतीय संस्कृति की विविधता से परिचित होंगे।
3. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं की पहचान कर सकेंगे।
4. भारतीय संस्कृति और साहित्य की मूलभूत एकता का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

अंक विभाजन –

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।

प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. आज का भारतीय साहित्य, अनुवाद : प्रभाकर माचवे
2. भारतीय साहित्य : रामछबीला त्रिपाठी
3. भारतीय साहित्य: मूलचंद गौतम
4, भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ: प्रदीप श्रीधर
5. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : डॉ. नगेंद्र
6. भारतीय साहित्य की अवधारणा : राजेंद्र मिश्र
7. भारतीय साहित्य की पहचान : सं. सियाराम तिवारी
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
9. भारतीय साहित्य : सं. नगेंद्र
10. भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास

अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

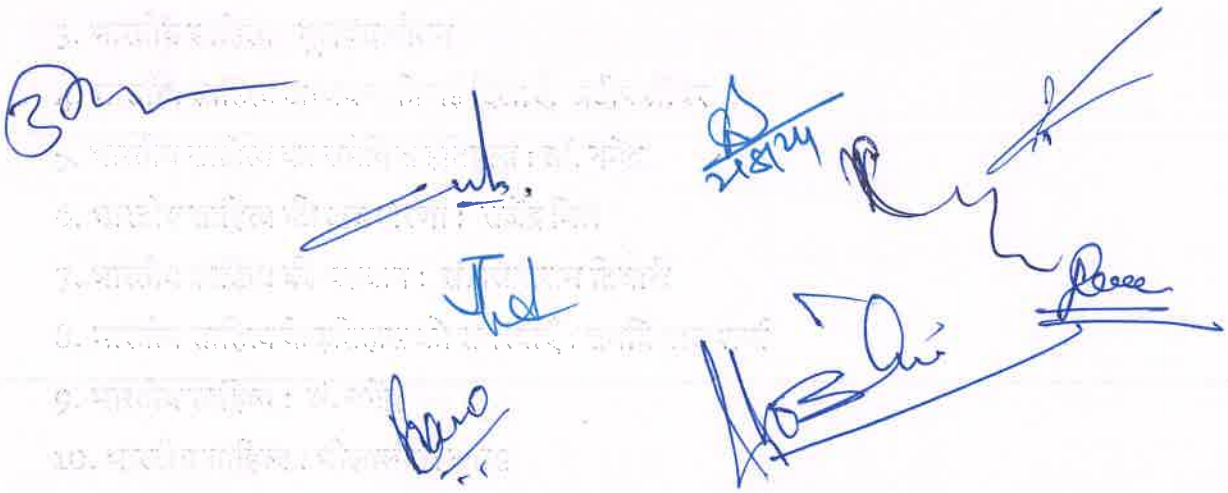

सत्र 2024-2025

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

जेनेरिक पाठ्यक्रम (GEC), हिंदी

कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास)

पाठ्यक्रम कोड : CCH-503

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिंदी कथा साहित्य की परंपरा से परिचित कराना।
2. कथा साहित्य को ज़मीनी वास्तविकता के साक्ष्य से समझना।
3. हिंदी में छत्तीसगढ़ की साहित्यिक सृजनशीलता की उपस्थिति की पहचान करना।
4. कथा साहित्य के विकास का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण :

इकाई 1. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास
हिंदी कहानी : उद्भव और विकास

इकाई 2. प्रतिनिधि कहानियाँ
ठाकुर का कुआँ : प्रेमचंद
उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
पाजेब : जैनेन्द्र कुमार

इकाई 3. प्रतिनिधि कहानियाँ
संवदिया : फणीश्वरनाथ रेणु
चीफ़ की दावत : भीष्म साहनी
मैं हार गई : मन्नू भंडारी

इकाई 4. काला जल : शानी

2/8/24

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. हिंदी कथा साहित्य की परंपरा से परिचित होंगे।
2. कथा साहित्य को ज़मीनी वास्तविकता के साक्ष्य से समझ सकेंगे।
3. हिंदी में छत्तीसगढ़ की साहित्यिक सृजनशीलता की उपस्थिति की पहचान कर पाएँगे।
4. कथा साहित्य के विकास से सम्यक रूप से परिचित हो सकेंगे।

अंक विभाजन –

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।

प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. कुछ कहानियाँ: कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिंदी गद्य विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश
4. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा
5. उपन्यास का शिल्प : डॉ० गोपाल राय
6. हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा : मधुरेश
7. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानन्द श्रीवास्तव
8. काला जल : शानी
9. प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. प्रतिनिधि कहानियाँ : चंद्रधर शर्मा गुलेरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. प्रतिनिधि कहानियाँ : जैनेन्द्र कुमार , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. प्रतिनिधि कहानियाँ : फणीश्वरनाथ रेणु , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. प्रतिनिधि कहानियाँ : भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. प्रतिनिधि कहानियाँ : मन्नू भंडारी , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

सत्र 2024-25

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम तृतीय सेमेस्टर

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स-SEC), हिंदी

कार्यालयीन भाषा-अनुप्रयोग

पाठ्यक्रम कोड: SECH- 504

क्रेडिट: 02

कुल अंक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. कार्यालयीन भाषा के रूप में हिंदी के प्रकार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी से अवगत कराना।
2. हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पध्दति और प्रक्रिया से अवगत कराना।
3. हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देना ज्ञान कराना।
4. बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और कानून की शब्दावली का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम विवरण –

इकाई –1

कार्यालयीन भाषा प्रारूपण (पत्राचार, कार्यालय ज्ञापन , कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, अर्धशासकीय पत्र आवेदन पत्र, प्रतिवेदन, अनुस्मारक पृष्ठांकन, शासकीय संकल्प)।

इकाई–2

टिप्पण –प्रक्रिया एवं स्वरूप, व्यावहारिक अनुप्रयोग।

संक्षेपण–प्रक्रिया एवं स्वरूप –कार्यालयीन अनुप्रयोग। पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप, प्रक्रिया एवं महत्व।

इकाई– 3

अनुवाद का स्वरूप –प्रक्रिया, प्रविधि एवं महत्व। कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद।

इकाई– 04

अनुवाद का प्रकार्यात्मक महत्व जनसंचार विज्ञान, तकनीकी, बैंकिंग, वाणिज्य, विधि आदि क्षेत्रों में अनुवाद की भूमिका।

प्रायोगिक ज्ञान /प्रोजेक्ट :

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के आधार पर प्रारूपण, टिप्पण एवं अनुवाद से संबंधित प्रोजेक्ट कार्य कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा।

1. कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पण एवं अनुवाद।

2. अनुवाद दक्षता का व्यावहारिक परीक्षण ।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को–

1. राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रकार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी प्राप्त होगी।
2. हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पद्धति और प्रक्रिया का समुचित ज्ञान होगा।
3. हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी प्राप्त होगी।
4. बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और कानून की शब्दावली का ज्ञान होगा।
5. कार्यालयीन कामकाज में अनुवाद के प्रयोग का सामान्य ज्ञान हो सकेगा।

अंक प्रणाली

SEC/VAC के लिए :

अंकों का वितरण निम्नानुसार होगा –

1. पाठ्यक्रम में कुल 50 अंक होंगे।

1. SEC एवं VAC में आंतरिक परीक्षा नहीं होगी। सिर्फ Project 25 अंको का होगा। सेमेस्टर अंत परीक्षा में 10 प्रश्न दिये जाएँगे। उनमें से कोई पाँच प्रश्न हल करने होंगे। सेमेस्टर अंत प्रश्नपत्र 25 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा।

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति	–	चंद्रपाल शर्मा
2. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग	–	गोपीनाथ श्रीवास्तव
3. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना	–	डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद)
4. प्रयोजनमूलक हिंदी	–	विनोद गोदरे
5. प्रयोजनमूलक हिंदी	–	माधव सोनटक्के
6.प्रयोजनमूलक हिंदी	–	डॉ. संजीव जैन

हिंदी षष्ठम सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC)

कौशल संवद्र्धन पाठ्यक्रम (SEC)

हिंदी षष्ठम सेमेस्टर

सत्र 2024-2025

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC)

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम (SEC)

सत्र 2024-2025

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर

विषय केंद्रित पाठ्यक्रम (Core Course, DSC), हिंदी

कथेतर गद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : BHN- CCH-601

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की परंपरा से परिचित कराना।
2. कथेतर साहित्य के सृजनात्मक वैभव से परिचित कराना। ।
3. हिंदी में कथेतर सहित की उपादेयता की पहचान करना।
4. कथेतर साहित्य के परिदृश्य का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण :

इकाई 1 . कथेतर साहित्य की विविध विधाएँ : स्वरूप और इतिहास

निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य का परिचय।

इकाई 2. निबंध साहित्य : क्या लिखूँ : पदुमलाल पुन्नालाल बख़्शी

आज भी खरे हैं तालाब : अनुपम मिश्र

जीवनी-अंश : आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर (शरच्चन्द्र की जीवनी), दिशाहारा-पाँच एवं छह

इकाई 3. संस्मरण : पूज्य निराला जी : शिवपूजन सहाय

मरना कोई हार नहीं होती : हरिशंकर परसाई

आत्मकथा : क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा) : श्यामा की मृत्यु का प्रसंग

इकाई 4. रेखाचित्र : नीलकंठ : महादेवी वर्मा

यात्रा-वृत्तांत : दाँते के नगर में : रामवृक्ष बेनीपुरी

रिपोर्ताज : इस जल प्रलय में : फणीश्वरनाथ रेणु

पत्र-साहित्य : मित्र संवाद : केदारनाथ अग्रवाल का पत्र रामविलास शर्मा के नाम (दिनांक 5.12. 1943)

अंक विभाजन -

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।

प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की परंपरा से परिचित होंगे।
2. कथेतर साहित्य के सृजनात्मक वैभव से परिचित होंगे। ।
3. हिंदी में कथेतर सहित की उपादेयता की पहचान कर सकेंगे।
4. कथेतर साहित्य के परिदृश्य का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

सहायक ग्रंथ :

1. गद्य की नई विधाओं का विकास, माजदा असद
2. गद्य की पहचान, अरुण प्रकाश
3. डॉ. भदन्त आनंद कौसल्यायन का जीवन दर्शन, भदन्त सावंगी मेधकर
4. हिंदी का गद्य विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी
6. हिंदी गद्य रूप सैद्धांतिक विवेचन, निर्मला देवी श्रीवास्तव
7. हिंदी निबंध उद्भव और विकास, हरिचरण शर्मा
8. हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य, प्रतापपाल शर्मा

अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

सत्र 2024-2025

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES), हिंदी

लोकनाट्य परम्परा और हिंदी

पाठ्यक्रम कोड : BHN-CCH-602

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. लोक के स्वरूप से अवगत कराना।
2. लोकनाट्य और लोक रंगमंच के स्वरूप और विधि से परिचित कराना।
3. अभिनय की विशिष्टताओं का ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी भाषा और उसकी उपभाषाओं (बोलियों) के क्षेत्र विस्तार और विविध परंपराओं से परिचित कराना।
5. बोलियों के सामर्थ्य से अवगत कराना।
6. हिंदी रंगमंच को समर्थ और सार्थक बनाने में सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम विवरण :

इकाई 1 . लोक और उसकी संस्कृति

कृषि संस्कृति और ग्राम्य जीवन : जीविका, खेती और उसकी पारंपरिक तकनीक, पशुधन और उसका महत्त्व।

प्रकृति और संस्कृति : कृषिकर्म, श्रम और उत्सव, तीज-त्यौहार और पर्व, प्रकृति-संरक्षण और ग्राम्य जीवन की परम्पराएँ।

लोक की सृजनात्मक अभिव्यक्ति : लोकवार्ता (लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा)

इकाई 2. लोक रंगमंच और लोकनाट्य : प्रमुख लोकनाट्य रूप (नाचा, रहस, भतरा नाट, तमाशा, भवई, नौटंकी, यक्षगान, माच, जात्रा) परिचयात्मक विवरण।

इकाई 3. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा : रंगमंच का स्वरूप, नट (अभिनेता, परी), अभिनय शैली, परम्परा (खड़े साज, बैठे साज), संगीत पक्ष (गायक, वादक, वाद्ययंत्र)।
प्रमुख कलाकार (दाऊ मँदराजी, भुलवाराम, मदन निषाद, लालूराम, फिदाबाई)।
प्रमुख नाचा दल (रवेली नाचा पार्टी, रिंगनी नाचा पार्टी, टेड़ेसरा नाचा पार्टी, मटेवा नाचा पार्टी, अछोटा नाचा पार्टी)।

इकाई 4. नाचा का संस्कारीकरण : चंदैनी गोंदा, सोनहा विहान, कारी।
नाचा का संस्कारीकरण : शहरी रंगमंच और अंतर्राष्ट्रीय पहुँच (हबीब तनवीर और नया थिएटर)।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम अध्ययन करने के बाद विद्यार्थियों को

1. लोक के स्वरूप का ज्ञान होगा।
2. लोकनाट्य और लोक रंगमंच के स्वरूप और विधि से परिचय होगा।
3. अभिनय की विशिष्टताओं का ज्ञान हो सकेगा।
4. हिंदी भाषा और उसकी उपभाषाओं (बोलियों) के क्षेत्र विस्तार और विविध परंपराओं से परिचय हो सकेगा।
5. बोलियों के सामर्थ्य की जानकारी होगी।
6. हिंदी रंगमंच को समर्थ और सार्थक बनाने में प्रेरणा प्राप्त होगी।

अंक विभाजन –

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई–1	इकाई–2	इकाई–3	इकाई–4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06	6 X1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10	10 X1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।
प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
सहायक ग्रंथ :

1. परंपराशील नाट्य, जगदीश चंद्र माथुर, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
2. लोकधर्मी नाट्य परंपरा, श्याम परमार
3. संगीत एक लोकनाट्य परंपरा, डॉ. रामनारायण अग्रवाल
4. संगीत के विविध आयाम, डॉ. वीरेंद्र कुमार चंद्रराखी
5. लोक नाट्य परंपरा और प्रवृत्तियाँ, डॉ. महेंद्र भानावत
6. लोक: परंपरा, पहचान एवं प्रवाह, श्याम सुंदर दुबे
7. नाट्य काव्यालोचन के सिद्धांत, सिद्धनाथ कुमार
8! नाट्यशास्त्र और रंगमंच, दीनानाथ साहनी
9. हिंदी नाटक, उद्भव व विकास, दशरथ ओझा
10. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह, दिनकर
11. भारत के लोक नाट्य, शिवकुमार माथुर
12. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय
13. लोक संस्कृति, वसंत निरगुणे
14. लोक साहित्य की भूमिका, रामनरेश त्रिपाठी
15. लोक साहित्य का अवगाहन, त्रिलोचन पांडेय
16. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यों में शास्त्रीय तत्व : डॉ. शैलजा चन्द्राकर, श्री लब्धिसूरि फाउण्डेशन, दुग्गड़ सदन, दुर्ग
17. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा : महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
18. गम्मत : संपादक जय प्रकाश, मंदराजी महोत्सव, समिति, रवेली (राजनांदगांव)

अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

सत्र 2024-2025

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Generic Elective Course, GEC), हिंदी

कथेतर गद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : BHN- CCH-603

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की परंपरा से परिचित कराना।
2. कथेतर साहित्य के सृजनात्मक वैभव से परिचित कराना। ।
3. हिंदी में कथेतर सहित की उपादेयता की पहचान करना।
4. कथेतर साहित्य के परिदृश्य का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण :

इकाई 1 . कथेतर साहित्य की विविध विधाएँ : स्वरूप और इतिहास

निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य का परिचय।

इकाई 2. निबंध साहित्य : क्या लिखूँ : पदुमलाल पुन्नालाल बख़्शी

आज भी खरे हैं तालाब : अनुपम मिश्र

जीवनी-अंश : आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर (शरच्चन्द्र की जीवनी) दिशाहारा-पाँच एवं छह

इकाई 3. संस्मरण : पूज्य निराला जी : शिवपूजन सहाय

मरना कोई हार नहीं होती : हरिशंकर परसाई

आत्मकथा : क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा) श्यामा की मृत्यु का प्रसंग

इकाई 4. रेखाचित्र : नीलकंठ : महादेवी वर्मा

यात्रा-वृत्तांत : दाँते के नगर में : रामवृक्ष बेनीपुरी

रिपोर्ताज : इस जल प्रलय में : फणीश्वर नाथ रेणु

पत्र-साहित्य : मित्र संवाद : केदारनाथ अग्रवाल का पत्र रामविलास शर्मा के नाम (5.12. 1943)

अंक विभाजन -

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

प्रश्न के प्रकार	इकाई-1	इकाई-2	इकाई-3	इकाई-4
A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X 1= 02	2X 1= 02	2 X 1= 02	2X 1= 02
B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य)	2X 1= 02	2X 1= 02	2X 1= 02	2X1= 02
C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द)	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06	6 X 1 =06
D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द)	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10	10 X 1 =10
कुल अंक	20	20	20	20

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम -

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की परंपरा से परिचित होंगे।
2. कथेतर साहित्य के सृजनात्मक वैभव से परिचित होंगे। ।
3. हिंदी में कथेतर सहित की उपादेयता की पहचान कर सकेंगे।
4. कथेतर साहित्य के परिदृश्य का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

सहायक ग्रंथ

1. गद्य की नई विधाओं का विकास, माजदा असद
2. गद्य की पहचान, अरुण प्रकाश
3. हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य, प्रताप पाल शर्मा
4. हिंदी का गद्य विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी

6. हिंदी गद्य रूप सैद्धांतिक विवेचन, निर्मला देवी श्रीवास्तव

सत्र 2024-25

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम पंचम सेमेस्टर

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स-SEC), हिंदी

विज्ञापन और समाचार लेखन

पाठ्यक्रम कोड: SECH-604

पूर्णांक : 50
केडिट : 02

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का -उद्देश्य है विद्यार्थियों को-

1. विज्ञापन- लेखन की कला से अवगत कराना।
2. मीडिया उद्योग के सम्बन्ध में जानकारी देना।
3. समाचार लेखन- कला का ज्ञान कराना।
4. मीडिया के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना।
5. साक्षात्कारकर्ता के रूप में विद्यार्थियों को तैयार करना।

पाठ्यक्रम विवरण-

इकाई-1 विज्ञापन की परिभाषा और स्वरूप, विज्ञापन के उद्देश्य, विज्ञापन माध्यम।

इकाई - 2 विज्ञापन- लेखन : विज्ञापन कॉपी लेखन, विज्ञापन कॉपी के अंग, कॉपी लेखक के गुण

इकाई - 3 समाचार की परिभाषा और स्वरूप, समाचार के विभिन्न स्त्रोत, समाचार संकलन, समाचार लेखन

इकाई - 4 समाचार- पत्र का प्रबंधन

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थियों में

1. विज्ञापन लेखन के प्रति उनकी अभिरुचि विकसित होगी।
2. मीडिया उद्योग में वे अच्छे कॉपी लेखक बन सकेंगे।
3. समाचार लेखन में अभिरुचि विकसित होगी।
4. रोजगार की दृष्टि से मीडिया के क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ेंगी।
5. छात्र मीडिया के लिए महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम हो सकेंगे।

अंक प्रणाली

SEC/VAC के लिए :

अंकों का वितरण निम्नानुसार होगा –

1. पाठ्यक्रम में कुल 50 अंक होंगे।

1. SEC एवं VAC में आंतरिक परीक्षा नहीं होगी। सिर्फ Project 25 अंको का होगा। सेमेस्टर अंत परीक्षा में 10 प्रश्न दिये जाएँगे। उनमें से कोई पाँच प्रश्न हल करने होंगे। सेमेस्टर अंत प्रश्नपत्र 25 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा।

संदर्भ पुस्तकें :

1. जनसंपर्क : प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
2. हिंदी पत्रकारिता – डॉ. कृष्णबिहारी)

अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर					
क्र.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1	डॉ. कोमलसिंह शार्वा		6	डॉ. अभिनेष सुराना	
2	डॉ. उमाकांत मिश्र		7	डॉ. बलजीत कौर	
3	डॉ. शंकरमुनि राय		8	डॉ. जयप्रकाश साव	
4	डॉ. दादू दयाल जोशी		9	डॉ. कृष्णा चटर्जी	
5	प्रो. जैनेन्द्र दीवान	2/8/24	10	श्री दीपक सोनी	